

प्रेस विज्ञप्ति

बड़ी धूमधाम से मनाया गया ओआरसी का 18वां वार्षिकोत्सव
ब्रह्माकुमारीज़ ला रही है लोगों के विचारों में शुद्धता - मधु आचार्य
ब्रह्माकुमारीज़ कर रही है विश्व परिवर्तन का श्रेष्ठ कार्य - ऋषिपाल
आत्मिक अनुभूति से ही होगा शान्ति का संचार- दादी रतन मोहिनी
संस्कार परिवर्तन से ही होगा संसार परिवर्तन- बी. के. शिवानी

9 दिसम्बर 2018, गुरूग्राम

ब्रह्माकुमारीज़ के ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर ने आध्यात्मिक ऊर्जा की तरंगों को सारे विश्व में फैलाते हुए आज अपने 18 वें वर्ष में प्रवेश किया। ओआरसी का 18वां वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 18 फिट लम्बा केक काटकर ओआरसी का जन्म-दिवस मनाया गया। गीत, नृत्य और कविता के द्वारा सभी ने खुशियां प्रकट की। ओआरसी की 18 विशेषताओं को बहुत ही सुंदर फूलों के माध्यम से व्यक्त किया गया। कुदरत की गोद में जो बसता गुलिश्ता प्यारा, वो आशियां हमारा, ओआरसी हमारा गीत पर मार्मिक प्रस्तुति ने सबको भाव-विभोर कर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए गुरूग्राम की मेयर मधु आचार्य ने कहा कि संस्था लोगों के अंदर शुद्ध एवं श्रेष्ठ विचारों का संचार कर मन को शक्तिशाली बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मन की शुद्धि ही हमारे व्यवहार को श्रेष्ठ और आदर्श बनाती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बताई जा रही शिक्षाओं को जीवन में अपनाएं। जीवन जितना आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों से सम्पन्न होगा, उतना ही समस्याओं से घबराने के बजाए हम निडर होकर उनका सामना करेंगे।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त ऋषिपाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था वास्तव में विश्व परिवर्तन का श्रेष्ठ कार्य कर रही है। और उसमें भी विशेष राजधानी दिल्ली के समीप बना ये सुन्दर परिसर अपने आध्यात्मिक प्रकम्पनों से चारों ओर एक शक्तिशाली वातावरण निर्मित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं जब भी परिसर में आता हूँ तो मुझे यहाँ पर सभी के चेहरों से अलौकिकता, सौम्यता और शालीनता की झलक अनुभव होती है। जिसे मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।

इस अवसर पर विशेष रूप से माउन्ट आबू से पधारी संस्था की संयुक्त प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि शान्ति की अनुभूति के लिए हमें स्वयं के वास्तविक स्वरूप को जानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पवित्रता हमारा निजी गुण है। जितना हम अपने शुद्ध स्वरूप में स्थित होते हैं, उतना ही शान्ति की अनुभूति सहज ही होती है।

इस अवसर पर बी.के. शिवानी ने अपने प्रेरक वक्तव्य से संबोधित करते हुए कहा कि हमें गुणों का स्वरूप बनकर दूसरों को प्रेरणा देनी है। उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ स्वयं के जीवन को ही सुन्दर नहीं बनाना बल्कि सारे विश्व को सुन्दर बनाना है। उन्होंने कहा कि जब हमारे संस्कारों में परिवर्तन आयेगा तब ही विश्व परिवर्तन होगा।

ओआरसी की निदेशिका आशा दीदी ने सेन्टर के द्वारा की जा रही सेवाओं की जानकारी देते हुए कहा कि ओआरसी में सरकार की तरफ से भी अधिकारियों के लिए अनेक मैनेजमेंट के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

संस्था के अतिरिक्त महासचिव बी.के. बृजमोहन ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का असली उद्देश्य श्रेष्ठ समाज की पुनः स्थापना करना है। उन्होंने कहा कि यही भारत पहले स्वर्ग कहलाता था। जहाँ देवताएं निवास करते थे। लेकिन आज उन दैवी मूल्यों का ह्रास होने के कारण कलियुग बन गया है। फिर से उन्हीं मूल्यों की जागृति से सारे विश्व को सतयुग व स्वर्ग बनाना है।

इस अवसर पर संस्था के कई अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने भी अपनी शुभ-कामनाएं व्यक्त की। कार्यक्रम में 5000 से भी अधिक लोगों ने शिरकत की।

फोटो कैप्शन:- 1. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी के 18वों वार्षिकोत्सव में केक काटते हुए दादी रतन मोहिनी जी, बी.के. बृजमोहन, बी.के. आशा, मधु आचार्य (मेयर, गुरूग्राम), बी.के. शुक्ला, बी.के.सरला, बी.के.शारदा एवं अन्य।

2. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी के 18वों वार्षिकोत्सव में बोलते हुए गुरूग्राम की मेयर मधु आचार्य
3. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी के 18वों वार्षिकोत्सव में बोलते हुए दिल्ली के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ऋषिपाल।
4. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी के 18वों वार्षिकोत्सव में बोलते हुए दादी रतन मोहिनी जी।
5. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी के 18वों वार्षिकोत्सव में बोलते हुए बी. के. शिवानी
6. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी के 18वों वार्षिकोत्सव में बोलते हुए बी.के.बृजमोहन
7. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी के 18वों वार्षिकोत्सव में लोगों का अभिवादन स्वीकारते हुए दादी रतनमोहिनी जी
8. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी के 18वों वार्षिकोत्सव में गीत पर अपनी प्रस्तुति देते हुए।
9. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी के 18वों वार्षिकोत्सव में मंचासीन वक्तागण।
10. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी के 18वों वार्षिकोत्सव में उपस्थित लोग।